डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 147 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 12 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

कार से 12 लाख की शराब बरामद, एक गिरफ्तार

भानपुरा, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एक कार से 12 लाख 30 हजार रुपए कीमती अवैध शराब जप्त की है। मामले में कार चालक को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर 8 लेन तिराहा से आगे झालावाड रोड पर नहर के पास स्थित ढाबे के समीप दबिश दी गई। यहां एक ग्रे कलर की एक्सयूवी कार जीजे-03-ईआर-4858 झालावाड रोड तरफ से भानपुरा की और आते दिखी। जिसे पुलिस ने रोका। चालक राजवेल पिता राजेन्द्र जाति मईडा भील उम्र 25 साल निवासी रतनपुरा जिला बांसवाडा (राज.) से पूछताछ की गई। इसके बाद कार की तलाशी ली गई। कार के अन्दर चैक करते उसके अन्दर 70 पैटी खाकी कलर के सिलबंद खोखे होना पाये गए। जिनको पंचानो के समक्ष खोलकर चैक करते 65 पैटी मे काउण्टी क्लब व्हिस्की के अंग्रेजी शराब के क्वार्टर भरे होना पाये गये। सभी पेटियो में 48-48 क्वार्टर थे। कार में 05 पैटी खोखे में किंगफिशर बीयर भरी होना पाई गई। सभी पेटियो में 12-12 बीयर पैक थी।

कार चालक राजवेल से उक्त शराब व बीयर को परीवहन कर लाने, ले जानें का लायसेन्स व परमिट के बारे में पुछते नही होना बताया। आरोपी ने उक्त अवैध शराब गोमती नगर झालावाड (राज.) से लाना बताया तथा बांसवाडा राज. और गुजरात तरफ खपाने ले जाना बताया। आरोपी का कृत्य आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय होने से आरोपी को गिरफ्तार कर थाना भानपुरा पर अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण मे विवेचना जारी है।

एमपी बोर्ड:कल से शुरू होगा कॉपियां जांचने का काम

गलत कॉपियां जांचने पर सौ रुपए जुर्माना

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के बीच मूल्यांकन की कवायद भी शुरू हो गई है। शुरुआत 13 मार्च को होगी जिसका सेंटर जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय रहेगा। प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मूल्यांकन चलेगा। पहले चरण में दो विषयों की लगभग 20 हजार से अधिक उत्तर पुस्तिकाएं आने की उम्मीद है। इसके बाद अन्य चरणों में और कॉपियां आएंगी। गलत कॉपियां जांचने पर 100 रुपए जुर्माना लगेगा। यहां उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए सभी चरणों में पांच सौ से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी।

दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं जारी है। इसके साथ ही कॉपियों के मूल्यांकन की शुरुआत होने जा रही है। मंदसौर में जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय पर कॉपी जांचने का काम होगा। मंडल ने मूल्यांकन के लिए निर्देश जारी कर दिए है। इसके तहत उन कॉपियों की जांच तीन बार होगी, जिन्हें 90 प्रतिशत से अधिक अंक आए होंगे। अंकों को जाड़ने में अगर शिक्षक गलती करता है तो उस पर जुर्माना होगा। आंसर शीटों में बारकोडिंग की गई है, इससे मूल्यांकनकर्ता को परीक्षार्थी का रोल नंबर की जानकारी नहीं रहेगी।

एक- चार का पुलिस बल 24 घंटे रहेगा तैनात...

मूल्यांकन के प्रथम चरण में हिंदी और अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जाएगी। संभवतः आज 12 मार्च को माशिमं से कॉपियां मंदसौर-नीमच पहुंचेंगी। जहां एक- चार का पुलिस बल 24 घंटे तैनात रहेगा। कॉपी जांचने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि अंग्रेजी के कई अंकों को जल्दबाजी में लिखते समय गलती हो जाती है। इसलिए सावधानी रखें। कई बार अंक 03 को इतना अधिक घुमा दिया जाता है कि यह 8 जैसा लगने लगता है। इसी तरह 04 अंक को दूसरे तरीके से लिख दिया जाता है। 05 नंबर देते समय भी इतनी जल्दबाजी होती होती है कि कि वह वह कभी-कभी 09 जैसे दिखता है। इस भ्रम को दूर करने के लिए अंकों को सही तरीके से लिखा जाए।

भत्ते के लिए 30 कॉपियों का मूल्यांकन जरूरी...

बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन करने वाले स्थानीय मूल्यांकनकर्ता को 150 रुपए और 30 किमी दूर से आने वाले को 180 रुपए प्रतिदिन अतिरिक्त भत्ता दिया जाता है। मूल्यांकनकर्ताओं को ये भत्ता लेने के लिए न्यूनतम 30 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करना जरूरी है। हाईस्कूल में एक कॉपी जांचने पर 15 व हायर सेकंडरी में एक कॉपी पर 16 रुपए मिलते हैं।

शिक्षक न करें गड़बड़ी...

बोर्ड के सचिव केडी त्रिपाठी के मुताबिक मूल्यांकन के दौरान शिक्षक गड़बड़ी न करें, इसके लिए पहले ट्रेनिंग दी गई है। जिसमें कॉपियों की जांच का तरीका बताया गया है। अंकों की गणना कैसे करना है उसके बारे में जानकारी दी। इस ट्रेनिंग में हर जिले से चार-चार शिक्षक बुलाए गए थे। ये अपने सेंटर पर पहुंचकर मास्टर ट्रेनर का काम करेंगे।

मंदसौर-नीमच में एडीजीपी जोगा बोले...

चालान काटना ही नहीं, जागरूकता भी जरूरी

धुलेंडी-जुम्मा साथ होने से जांची पुलिस की तैयारी

मंदसौर/ नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सोमवार देर शाम एडीजीपी उमेश जोगा ने पुलिस कंट्रोल रूम में महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना और जिला पुलिस के कार्यों की समीक्षा करना था। एडीजीपी जोगा ने यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जबकि, मंदसौर में मंगलवार दोपहर में पुलिस कंट्रोल रूम में श्री जोगा ने कहा कि धुलेंडी और रमजान का जुम्मा एक ही दिन होने से पुलिस की तैयारी को जांचा है। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणो में कमी को लेकर निर्देश दिए है। त्यौहार शांतिपूर्ण हो, इसकी तैयारी के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा कि हत्या और झगड़ों की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में अधिक मौतें होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल चालान काटना पर्याप्त नहीं है, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। बैठक में त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था, एनडीपीएस मामलों में कार्रवाई और जनता से पुलिस के बेहतर व्यवहार पर चर्चा हुई। एडीजीपी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सभी जिलों में ऐसी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। नीमच - मंदसौर की बैठक में पुलिस के सभी अधिकारी, थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी रहे। श्री जोगा ने दोनो जिलो में पिछली कार्रवाइयों की समीक्षा कर पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

अफजलपुर थाना प्रभारी से पूछा, क्यों नहीं हो रही एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही...

पुलिस अधिकारियो की बैठक में एडीजीपी श्री उमेश जोगा ने पूरे जिले में अफजलपुर थाना क्षेत्र से एक भी एनडीपीए एक्ट का प्रकरण नहीं होने से थाना प्रभारी समरथ सीनम से इसका कारण पूछा। इस पर श्री सीनम ने कहा कि अधिकारी विश्वास नहीं करते है, इसलिए नहीं कर पा रहे है। इस पर श्री जोगा ने कहा कि स्पष्ट कार्य करो तो अधिकारी विश्वास क्यों नहीं करेंगे? इस श्री सीनम ने कोई जवाब नहीं दिया। अब माना जा सकता है कि वे फिल्ड में कार्य कर छोटा-मोटा ही सही एक - दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट के बनाएंगे।

यातायात पुलिस की निष्क्रियता पर नहीं दे पाए जवाब...

प्रदेश के डीजीपी श्री कैलाश मकवाना द्वारा मार्च माह में अभियान चलाकर निजी एवं सरकारी गाड़ियो से हूटर व बत्तियो को हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन, मंदसौर में इस संबंध में कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई। इस संबंध में श्री जोगा ने मंदसौर पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद की ओर देखा तथा प्रश्न को टाल गए। माना जा रहा है कि अब यातायात पुलिस भी सक्रियता दिखाएगी।

ग्रामीण बसाहटों को शहरी सड़कों से जोड़ेगी सरकार

भोपाल, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की सौ से अधिक जनसंख्या वाली ग्रामीण बसाहटों को राज्य सरकार शहरी सड़कों से जोड़ेगी। इसके लिए केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम ग्राम सड़क योजना, पीएम जनमन योजना, सीएम ग्राम सड़क योजना, सुदूर ग्राम सड़क संपर्क योजना आदि के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में पात्रतानुसार 500, 250 एवं 100 से अधिक जनसंख्या की बसाहटों में सड़क संपर्कता प्रदान की जा रही है। ऐसी ग्रामों की बसाहटें जो बारहमासी सड़कों से कनेक्टेड नहीं हैं, उनका चिह्नांकन का कार्य एमपी इलेक्ट्रानिक विकास निगम ने सेटेलाइट मैप से किया है और अब इनका भौतिक सत्यापन मैदानी स्तर पर किया जाना है।

पंचायत स्तर पर सत्यापन के बाद जिला स्तर पर होगा मंजूर–पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने सभी जिला पंचायतों के सीईओ को निर्देश जारी कर कहा है कि वे संपर्कता सर्वे मोबाइल एप के माध्यम से ऐसी ग्रामीण बसाहटों का भौतिक सत्यापन कराएं। जिसमें पंचायत स्तर पर ग्राम रोजगार .. **शेष पेज 4 पर**

नियमों को ताक पर रखकर, शासन को चूना लगा रहे...

मौज मस्ती के लिए फार्म हाऊस बनाकर बेचने वालों की जांच शुरू

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पया वारा लोगो के लिये मौज मस्ती वास्ते इन दिनों फार्म हाउस का चलन तेजी से बढ़ा है। भू माफिया फोरलेन या शहर के आस-पास पंचायत क्षेत्र में औने-पौने दामों पर जमीन लेकर यहां नियमों को ताक पर रखकर छोटे-छोटे कॉटेज बनाकर इन्हें फार्महाउस का नाम देकर विक्रय कर लाखों-करोड़ों रूपए के वारे-न्यारे कर रहे है। बता दें कि टीएनसीपी नीमच से भी कई फार्म हाऊस के लिए अनुमति नहीं ली गई है। मजे की बात यह है कि जिन भूमाफियाओ ने टीएनसीपी की अनुमति ली भी है तो वह भी कॉटेज के नाम से। लेकिन, इन्हें फार्म हाऊस के नाम पर बेचा गया है। इससे शासन को भारी राजस्व की हानि हो रही है। लेकिन, अधिकारी भी इस पर कार्रवाई करने में गंभीर नही है। जबकि, रतलाम प्रशासन द्वारा इस तरह के फार्म हाऊस पर की गई कार्रवाई बड़ा उदाहरण है।

बता दें कि बीती 08 मार्च को 'गुरु एक्सप्रेस' द्वारा इस संबंध में तथ्यात्मक समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसमें तथ्यो के साथ वास्तविकता से अवगत कराया गया था। खबर के बाद जिला प्रशासन ने ऐसे फार्म हाऊस बनाकर बेचने वाले और फार्म हाऊस के लिए जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े कर बेचने वालो की जांच के आदेश दिए है।

बता दें कि नियमानुसार कृषि भूमि पर निर्धारित एरिया में एक फार्म हाऊस बनाया जा सकता है। लेकिन, जमीन कारोबारी एक ही जमीन पर 03-03, 05-05 आरी के फार्म हाउस एक से ज्यादा मात्रा में काटकर बैच रहे है और शासन को मिलने वाले राजस्व की चोरी करने के लिए कृषि भूमि को फार्म हाऊस की संज्ञा दे रहे है। जबकि, ये सीधे-सीधे व्यापार है। क्योंकि, भूमाफिया कृषि भूमि के एक नहीं कई सारे टुकड़े करके बेच रहे है। ये सीधे-सीधे अवैध कॉलोनी की श्रेणी में आता है। रतलाम में इसी आधार पर कार्रवाई हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि जमीन चाहे मास्टर प्लॉन से बाहर हो या अंदर नगर एवं ग्राम निवेश कार्यालय (टीएनसीपी) से अनुमति दोनों कंडीशन में जरूरी है। भूमाफिया यह कहकर नहीं बच सकते हैं कि मास्टर प्लान से बाहर है तो टीएनसीपी की जरूरत नहीं है। इसमें रेरा के नाम से भी इन्वेस्टरों को खूब गुमराह किया जा रहा है।

फॉर्म हाऊस की अनुमति के मापदण्ड...

कृषि उपयोग की भूमि पर फॉर्म हाउस बनाया जा सकता है। इसमें प्लॉट की साइज कम से कम 0.40 हैक्टेयर यानि 2 बीघा होना चाहिए। निर्माण एरिया प्लॉट का 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। स्ट्रक्चर की अधिकतम हाईट 7.5 मीटर होना चाहिए। 100 जीवित पौधे होना अनिवार्य है। करीब 25 स्क्वेयर फिट (7.5 मीटर्स) रोड से जुड़ा होना चाहिए। फॉर्म हाउस का एमओएस 7.5 मीटर चारों और से खुला होना चाहिए।

इस तरह शासन को नुकसान...

विकास अनुमति नहीं लेने पर 10 प्रतिशत निर्माण की लागत का कर्मकार (लेबर वेलफेयर) लगता है जो जमीन कारोबारी नही दे रहे है। विकास अनुमति नहीं लेने से संबंधित पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद का 02 प्रतिशत शुल्क जो की सुपर विजन चार्जेस होता है, नहीं दिया जाता है। ये सीधे-सीधे शासन को राजस्व का नुकसान है।

रिल्स बनाओ, इनाम पाओ...

स्वच्छता के लिए नवाचार

भोपाल/मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रील बनाने का शौक रखने वालो के लिए सरकार एक योजना लाई है। जिसमें रील बनाकर लखपति बना जा सकता है। दरअसल स्वच्छता के लिए यह नवाचार किया जा रहा है। रील बनाने वाले को सरकार द्वारा दो लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा यह घोषणा की गई है। घोषणा के तहत बस करना यह है कि, स्वच्छता का संदेश देती हुई रील बनानी होगी। विशेषकर गांवों में कचरे से जुड़ी जागरूकता पर रील बनाकर 15 अप्रैल तक सरकार की ओर से जारी की गई लिंक पर अपलोड करनी होगी। इसपर सरकार चयनित प्रतिभागी को इनाम के रूप में राशि देगी।

मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने स्वच्छता पर रील बनाने वाले को इनाम देने का ऐलान किया है। 15 अप्रैल तक गांवों में कचरे से जुड़ी जागरूकता पर रील बनाना होगा। इस प्रतियोगिता के तहत राज्य सरकार युवाओं को दो लाख रुपए तक की प्रोत्साहन राशि देगी। प्रदेशभर से प्राप्त रीलों में से सर्वश्रेष्ठ पांच प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पहला पुरस्कार दो लाख रुपए, दूसरा पुरस्कार एक लाख रुपए, तीसरा पुरस्कार 50 हजार रुपए और 25-25 हजार रुपए के दो सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार गांवों में कचरा न फैले, इसके लिए कचरा प्रबंधन पर सभी को साथ मिलकर काम करना होगा। इस उद्देश्य से स्वच्छ एमपी रील प्रतियोगिता शुरू की जा रही है। प्रतियोगिता के तहत नौजवान और अभिभावक स्वच्छता और अच्छी आदतों पर रील बनाकर भेज सकते हैं।

इस पहल का उद्देश्य है कि इससे न सिर्फ प्रतिभागी आर्थिक पुरस्कार प्राप्त करेंगे, बल्कि समाज को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस बार जब रील बनाने के लिए कैमरा या फोन उठाएं तो उसे अपने शौक के साथ साथ स्वच्छता का संदेश देते हुए एक रील जरूर बनाएं। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की कल्पना की थी। इसी को साकार करने के लिए सरकार ने 'कचरा नहीं, ये कंचन है' का संदेश दिया है। अगर कचरे को सही तरीके से अलग किया जाए तो यह आय का भी स्रोत बन सकता है।

जारी लिंक पर अपलोड करें अपनी रील...

स्वच्छता के प्रति जागृति संबंधी रील बनाकर योजना के लिए जारी लिंक पर रजिस्ट्रेशन कर रील अपलोड करें। इसमें चयनित प्रतिभागी को पहले पुरुस्कार के रूप में 2 लाख रुपए राशि दी जाएगी। जबकि, दूसरा पुरस्कार 1 लाख रुपए और तीसरा पुरस्कार 50 हजार रुपए दिलाएगा। इसके अलावा 25-25 हजार रुपए के दो सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

यह है नियम...

✻ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी नागरिक आमंत्रित हैं। ✻ रील की अवधि अधिकतम 30 से 45 सेकेंड होनी चाहिए। रील ओरिजिनल होनी चाहिए और हाल ही में बनाई गई हो। ✻ विडियो रील शेयर करने के लिए अपने वीडियो को फेसबुक/यूट्यूब/इंस्टाग्राम पर शेयर करें और उसकी लिंक को mp.mygov.in पर सबमिट करें। ✻ रील में म्यूजिक, टेक्स्ट और विजुअल इफेक्टस का इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन, वह सकारात्मक और सभ्य हो। ✻ रील के साथ स्थान, तारीख और एक छोटा विवरण जोड़ना आवश्यक है। रील एचडी क्वालिटी की होनी चाहिए। ✻ प्रतिभागी प्रविष्टि के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी जरूर लिखें। प्रविष्टियों का चयन विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया जायेगा एवं अंतिम निर्णय पैनल का ही मान्य होगा। ✻ पुरस्कृत एवं प्राप्त प्रविष्टियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मप्र शासन किसी भी रूप में उपयोग करने हेतु स्वतंत्र होगा। प्रचारक लिंक वाली प्रविष्टियां को रद्द कर दिया जाएगा। ✻ सभी प्रविष्टियां सिर्फ ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। प्रतियोगिता विषय के लिए रचनात्मक, अभिनव और प्रासंगिक होनी चाहिए।

विचार-मंथन

बदले-बदले से 'सरदार' नजर आते हैं

हिन्दी का एक बहुत मशहूर शेयर है ... बदले-बदले से सरकार नजर आते हैं, अपने ही संगी के साथी नहीं अब, अपनों से अब बेजार नजर आते हैं। इस शेयर में अगर 'सरकार' की जगह 'सरदार' लिख दिया जाए तो यह पंक्तियां पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान पर बिल्कुल स्टीक बैठती हैं। कुछ दिन पहले तक अपने चुटकलों से लोगों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर देने वाले भगवंत मान अब उत्तर प्रदेश के योगी के अंदाज में दिखने लगे हैं। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, दिन में हड़ताली राजस्व अधिकारियों को सीधा-सीधा धमकाते हैं कि 'आपको छुट्टी मुबारक' और शाम होते-होते उन्हें निलम्बित कर देते हैं। और तो और किसान नेताओं को यहां तक कहने लगे हैं कि 'बहुत हो चुका अब आपकी ब्लैकमेलिंग और नहीं चलेगी। आप लोगों ने पंजाब को धरना प्रदेश बना कर रख दिया है।' पंजाब में इन दिनों मुख्यमंत्री के व्यवहार में आए बदलाव के कारण खोजे जा रहे हैं। वरिष्ठपत्रकारों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हुई पराजय के बाद पंजाब का नेतृत्व दबाव में है और कुछ कर दिखाने की कोशिश कर रहा है। चूंकि राज्य में 'आप' की क्रान्तिकारी सरकार अपना आधे से अधिक कार्यकाल पूरा कर चुकी है परन्तु उपलब्धि के नाम पर सरकार के हाथ खाली-खाली से लगते हैं। क्रान्ति अब भ्रान्ति लगने लगी है। पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार की छायाप्रति ही रही है। पंजाब में भी दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक खोले गए, मनीष सिसोदिया के आदर्श स्कूलों की कॉपी करते हुए स्कूल आफ एमिनेंस खोले गए। पंजाब के मंत्री दिल्ली वालों की तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते नहीं अघाते परन्तु दिल्ली के विकास मॉडल के धड़ाम होने के बाद पंजाब का नेतृत्व भी सन्न है। आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी। पर आज राज्य में आए दिन कहीं न कहीं नशे की ओवरडोज मौत होने की खबरें मिलती रहती हैं। कुछ जगह पर तो आठ-दस साल के बच्चों के भी नशे करने की खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। राज्य में आटे की तरह चिट्टा (हेरोइन) बिक रहा है। नशा महिषासुर राक्षस बन चुका है जिसको जितना मारो उसके रक्त की हर बून्द से नए-नए महिषासुर पैदा हो रहे हैं। पुलिस आए दिन भारी मात्रा में नशा पकड़ने का दावा करती है परन्तु इसके बावजूद पंचनद की धरती पर नशे का छठा दरिया बहता दिखाई देता है। राज्य का सरकारी कर्ज निरंतर बढ़ रहा है तो महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये देने का चुनावी वायदा विपक्षी दल भूलने नहीं दे रहे। कहते हैं कि एक बार मुल्ला जी ने नदी में बहते हुए रीछ को कम्बल समझ कर पकड़ लिया, पर कुछ ही देर बाद हालत यह हो गई कि मीयां जी तो कम्बल को छोड़ना चाहें पर अब कम्बल मीयां जी को ना छोड़े। यही हालत किसान संगठनों को लेकर भगवंत मान सरकार की होती दिख रही है। दिल्ली में चले किसान आन्दोलन के दौरान आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलनकारी किसानों को केवल समर्थन ही नहीं दिया बल्कि लंगर-पानी तक पहुंचाने का काम भी किया। समय बदला, अब वही किसान संगठन आम आदमी पार्टी की सरकार के लिए सिरदर्द बनते दिख रहे हैं। साल पहले किसानों के नए आंदोलन के तहत दिल्ली कूच करते हुए हरियाणा पुलिस ने आंदोलनकारियों को पंजाब-हरियाणा की सीमा शम्भू बार्डर पर ही रोक दिया था। आन्दोलनकारी किसान तब से वहां पक्का मोर्चा लगाए बैठे हैं। यह आंदोलन अब राज्य के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन रहा है। पंजाब की औद्योगिक नगरियां अमृतसर, जालन्धर, लुधियाना इसी मार्ग से दिल्ली के साथ जुड़ी हैं परन्तु रास्ता बंद होने के कारण न तो कारखानों को कच्चा माल आसानी से सप्लाई हो रहा है और न ही तैयार माल ठिकानों पर पहुंचाया जा सकता है।

पंजाब के किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

ललित गर्ग

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का असंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भड़केंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्शों की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिप्रधान पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है? आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादले कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है। पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से उब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में भारतीय राजनीति में चमके और दिल्ली के साथ पंजाब में उनकी सरकार बनी। दिल्ली में उनकी सत्ता जा चुकी है।

सिर्फ जादुई चिराग न बनें सौगातें ...

शोभना जैन

पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से 'बढ़ती आधी आबादी' ने चुनाव में वोट डालने पर अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की है, विभिन्न राजनैतिक दलों को उनमें चुनाव जितवाने की अपार संभावनाएं दिखनी शुरू हुई, उन्होंने उन पर बेहतर जिंदगी के लुभावन चुनावी वादों के साथ-साथ नगदी, सब्सिडी जैसी सौगातों की बरसात शुरू कर दी और इन चुनाव नतीजों ने यह साबित भी कर दिया कि उनकी रणनीति कमोबेश सफल भी रही. हाल के महीनों में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली में हुए चुनावों ने इस जादुई चिराग का जम कर इस्तेमाल हुआ. महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन ने जहां अपने मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें आर्थिक मदद देना भी शुरू कर दिया और बाकी आर्थिक लाभ, सब्सिडी सत्ता में दोबारा आने पर देने का वादा कर डाला और विपक्ष ने भी सत्ता में आने पर तरकश के यही तीर आजमाने का वादा किया. दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने तो 2019 में ही सत्तारूढ़ होते ही महिलाओं के लिये बस यात्रा जैसी सुविधाएं शुरू कर दी लेकिन हाल के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनका पासा पलट गया और विपक्षी दल भाजपा ने महिलाओं के लिए उनसे ज्यादा बेहतर लुभावनी योजनाओं की घोषणा कर डाली, अलबत्ता दिल्ली चुनाव में उनकी जीत के लिये कुछ और फेक्टर भी हावी रहे. दिल्ली विधानसभा के हाल के चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों 60.21 के मुकाबले 60.92 हालांकि यहां सत्तारूढ़ 'आप पार्टी' को 'भारतीय जन तापार्टी' के हाथों हार झेलनी पड़ी. बहरहाल सवाल है कि क्या जिस तरह से महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, और वे खुलकर खासतौर से देहात, कस्बों की महिलाएं घर की चारदीवारी से निकलकर खुलकर मताधिकार का इस्तेमाल कर रही हैं, महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता और स्वतंत्र निर्णय लेने की बढ़ती क्षमता को जहां राजनैतिक दलों के लिये महिला मतदाता को इस तरह का लाभ दिए जाने का वादा कर चुनाव में जीत की गारंटी मान लिया, लेकिन क्या इस तरह की रणनीति उन्हें सही मायने में अधिकार संगत बना रही है, क्या इसी अनुपात में राजनैतिक दल उन्हें चुनाव लड़ने के लिये टिकट भी दे रहे हैं, क्या इससे चुनावी राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का सवाल कमजोर नहीं हो जाएगा क्या राजनैतिक दल सिर्फ इस तरह की फौरी आर्थिक मदद कर उनकी दीर्घकालिक प्रगति, कल्याण मे सहायक हो सकेंगे. लेकिन इससे जुड़ा एक अहम सवाल यह भी है कि सुविधाहीन वर्ग और मध्य वर्ग की महिलाएं जहां तिल-तिलकर अपनी गृहस्थी खींच रही है उनके लिए इनसे फौरी मदद एक सहारा तो है लेकिन भविष्य की अनिश्चितता इस क्षणिक खुशी पर जल्द ही हावी हो जाती है. अलबत्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव में अनेक युवा और शिक्षित महिलाओं की भी राय थी कि राजनैतिक दलों को सही मायने में महिलाओं के मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए. अगर आंकड़ों की बात करें, जिससे राजनैतिक दलों को इस रणनीति को आगे बढ़ाने में बहुत हौसला मिला तो पाएंगे कि 2019 की तुलना में 2024 के आम चुनाव में एक करोड़ अस्सी लाख अतिरिक्त महिलाओं की भागीदारी रही. 2014 के बाद से 58 प्रतिशत महिलाओं में 9 करोड़ 20 लाख नये मतदाता दर्ज किए गए, हालांकि फिलहाल 100 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले महिला मतदाता 95 हैं लेकिन ये संख्या लगातार बढ़ रही है. चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 2014 के बाद से जहां मतदाताओं की संख्या 83.4 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह 97.8 करोड़ हो गई महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, इन सबके साथ सबसे अहम महिलाओं को ध्यान में रखकर बनी मुद्रा, उज्वला, प्रधानमंत्री आवास योजना, लाड़ली बहिना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं की भूमिका महिला मतदाताओं को अपनी और खींचने में रही. हालांकि चिंता की बात है कि महाराष्ट्र सरकार चुनाव जीतने के बाद इस योजना के क्रियान्वन को लेकर जिस तरह की हील-हुज्जत दिखा रही है, हालांकि भारत के चुनाव में महिला मतदाता सहित मतदान करने वालों की 66 प्रतिशत संख्या अच्छी मानी जाती है लेकिन सवाल फिर वहीं लौटकर कि महिला मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या के बावजूद सक्रिय चुनावी राजनीति में एक तिहाई की हिस्सेदारी के लिए उन का संघर्ष लगातार जारी है।

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस 'आधी दुनिया' के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब 'आधी दुनिया' से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं। देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में 'आधी दुनिया' के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवेदनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीड़िताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा।

कवि कालिदास मूर्ख नहीं थे, वे बचपन से ही स्वाभिमानी और विद्वान थे

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कालिदास के बारे में यह प्रसिद्ध है कि 'वह जिस डाली पर बैठा था उसी को काट रहा था', यह कहानी पूर्णत:: भारतीय विद्वानों की प्रतिष्ठा गिराने का षड्यंत्र था। जबकि कालिदास उज्जैन के निकट अपने गुरु के आश्रम में रहकर संस्कृत का अध्ययन करते थे तथा आश्रम की गायों को गुरु के आदेश से चराने के लिए जंगल जाया करते थे। वे जातिगत चरवाहे नहीं थे।

वर्तमान उज्जैन से कुछ दूरी पर अवंतिका राज्य के राजा गंधर्वसेन सोनकच्छ के निकट गंधर्वपुरी में अपनी राजधानी से राज्य का संचालन करते थे वह बड़े वीर, प्रतापी, कला प्रेमी, तथा हिंदुत्व निष्ठ थे। जब कालिदास की विद्वत्ता, ज्ञान तथा काव्य प्रतिभा कि उन्हें जानकारी मिली तो उन्होंने उसे अपने राज दरबार में बुलाया तथा कालिदास से कहा कि आप हमारे दरबार के कवि बन जाइए किंतु कालिदास ने कहा कि- मैं प्रकृति का चितेरा कवि हूं मैं राजमहल में रहकर आपकी प्रशंसा में कविताएं नहीं पढ़ सकता मुझे तो स्वच्छंदता पूर्वक प्रकृति के बीच में ही रहने की रुचि है और उसने राजा गंधर्व सेन को मना कर दिया। राजा ने अनेक विद्वानों को उन्हें मनाने के लिए भेजा किंतु कालिदास लगातार मना करते रहे तथा वे उन्हीं विद्वानों के सामने एक पेड़ पर चढ़कर कुल्हाड़ी से उसकी डाली काटने लगे पर विद्वानों ने देखा कि यह तो जिस डाली पर बैठा है उसी के मूल को काट रहा है तो उन्होंने कालिदास को चेताया कि तुम गिर जाओगे तब कालिदास ने उन्हें समझाया कि' मैं आप लोगों को समझाने के लिए ही जिस डाली पर बैठा हूं, उसे काट रहा हूं क्योंकि मैंने राजाज्ञा की अवहेलना की है इसलिए उसका दंड मुझे मिल सकता है किंतु मैं इस प्रकृति की गोद को नहीं छोड़ सकता। इसलिए मैं अपने अहित को स्वीकार कर सकता हूं किंतु अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर सकता। उसके बाद विद्वानों उसे पूरे राज्य में मूर्ख कहना शुरू किया किंतु कालिदास सतत अपनी साधना में लगे रहे।

राजा गंधर्व सेन की मृत्यु के उनके बड़े पुत्र भर्तहरि को राज्य मिला तथा उनके राज्य छोड़ने पर विक्रमादित्य अवंतिका के राजा बने एवं विक्रमादित्य ने गंधर्वपुरी को त्याग कर अपनी राजधानी उज्जैयनी को बनाया। इधर कालिदास भी किशोरावस्था में आ गए थे किंतु उन्हें अपनी विद्वत्ता एवं प्रतिभा को प्रदर्शित करने का कोई मंच नहीं मिला, क्योंकि अवंतिका के विद्वान उसे महान मूर्ख कह कर संबोधित किया करते थे। राजा विक्रमादित्य की एक कन्या थी विद्योत्तमा, जो बहुत ही विद्वान तथा शास्त्रार्थ करने में प्रवीण थी किंतु उसे अपनी विद्वता पर बहुत अहंकार था। इस कारण उसने अपने गुरु को भी समुचित सम्मान प्रदान नहीं किया। इसलिए गुरु ने सोचा कि इसका विवाह किसी महान मूर्ख के साथ कर देना चाहिए ताकि इसका अहंकार चूर-चूर हो जाए। इसी श्रृंखला में महामूर्ख की उपाधि से से जाने जाने वाले कालिदास का नाम राजा के सामने प्रस्तुत किया गया। विक्रमादित्य ने कहा कि- जो मेरी पुत्री को शास्त्रार्थ में हरा देगा मैं उसी से उसका विवाह करूंगा। इधर कालिदास को विद्वानों ने कहा कि राजा की पुत्री विद्योत्तमा शास्त्रार्थ करना चाहती है अत: आप बहुत विद्वान हैं किंतु विद्योत्तमा केवल संकेतों की भाषा में शास्त्रार्थ करेगी इसलिए तुम्हारी तैयारी हो तो तुम शास्त्रार्थ करो। कालिदास ने सोचा कि मेरी विद्वता के प्रदर्शन का इससे अच्छा अवसर प्राप्त नहीं हो सकता और उन्होंने हां भरदी। निश्चित दिन विद्योत्तमा और कालिदास के बीच शास्त्रार्थ संकेतों में शुरू हुआ जिसकी कहानी हम सभी को मालूम है। इसके बाद विद्योत्तमा ने अपनी हार मानकर कालिदास को ही अपने पति के रूप में स्वीकार कर लिया।

किंतु कालिदास विद्योत्तमा से भी ज्यादा विद्वान थे, इसलिए पत्नी विद्योत्तमा का अहंकार इसे स्वीकार नहीं कर पाया तथा कालिदास उसने अनेक बार अपमान भी किया, जिसकी वजह से कालिदास ने घर छोड़ दिया। निरंतर 10 वर्षों र्तक वह अज्ञातवास पर रहे तथा उन्होंने इस अज्ञातवास में ग्रंथ लिखा उनका प्रथम खंडकाव्य 'ऋतुसंहार' था। इस ग्रंथ की चर्चा अवंतिका सहित संपूर्ण भारत में हुई इसके बाद कालिदास द्वारा लिखित अनेक रचनाएं प्रसिद्धि प्राप्त करने लगी तथा कालिदास एक विद्वान कवि के रूप में हुए प्रतिष्ठित हो गए। इनके द्वारा दो महाकाव्य कुमारसंभव तथा रघुवंश एवं खंडकाव्य मेघदूतम की रचना की इसके साथ ही तीन नाटक विक्रमोवर्शीय मालविकाग्निमित्र एवं अभिज्ञान शाकुंतलम् लिखे गए। उनकी काव्य प्रतिभा के कारण इन्हें विक्रमादित्य के नवरत्नों में स्थान प्राप्त हुआ। कुछ समय पश्चात विद्योत्तमा द्वारा कवि कालिदास से क्षमा मांगने के बाद तथा राजा विक्रमादित्य ने प्रसन्न होकर उन्हें कश्मीर का राज्य प्रदान कर दिया। इसलिए कवि कालिदास को मूर्ख कह कर बदनाम करने का षड्यंत्र उस जमाने की विद्वानों ने तथा राजा गंधर्वसेन की आज्ञा की अवहेलना करने के कारण किया गया था, जिसका जवाब उन्होंने जिस डाल पर बैठकर उसी डाल को काटने से दिया था, यह एक साहित्यकार एक विद्वान की स्वतंत्रता को कोई छीन नहीं सकता इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

लेखक का अस्वीकरण–उक्त कहानी का कोई सशक्त ऐतिहासिक आधार नहीं है यह कालिदास के संबंध में उपलब्ध साहित्य एवं जानकारी के आधार पर पूर्णत: काल्पनिक रूप से लिखी गई है।

रमेशचन्द्र चन्द्रे

कन्या महाविद्यालय में संविधान का अमृत महोत्सव मनाया

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत संविधान का अमृत महोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि डा.आर.के.सोहोनी ,राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य शासकीय अग्रणी महाविद्यालय,मंदसौर रहे।

विषय प्रवर्तन करते हुए वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने कार्यक्रम में सर्वप्रथम संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। आपने बताया कि विश्व के इतने बडे समूह को चलाना आसान नहीं है पर हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए जिसने इस देश को ऐसे समेट कर रखा है कि हम अब एक विकसित भारत की परिकल्पना कर सकते है। भारत का संविधान सामाजिक, समता, न्याय, अखंडता, एकता पर आधारित है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये पूरे विश्व में हमारी बौद्धिक क्षमता की शक्ति को प्रस्तुत करता है। मुख्य वक्ता डा.सोहोनी ने सर्वप्रथम अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की छात्राओं को शुभकामना देते हुए बताया कि हम भाग्वान है जो मानव देह में जन्मे लेकिन उससे भी बडी बात यह है कि हम भारतवर्ष मे जन्में है। भारत में हजारों वर्षों र्से गणतंत्र ही रहा है क्योंकि प्रत्येक राजा के समय सभा और समिति हुआ करती थी जिनकी मंत्रणा से फैसले लिये जाते थे। भारत में कुल 18 गणतंत्र थे जिसमें मुख्य रूप से पुरू, पांचाल, कुंडल, मिथली, वैशाली आदि रहे है। 26 नवंबर 1930 में लाहौर अधिवेशन के अंतर्गत रावी नदी के तट पर क्रांति के जननायकों ने पूर्ण स्वतंत्रता का संकल्प लिया। भारत का संविधान 26 नवम्बर 1949 को ही अंगीकृत कर लिया था परन्तु लागू 26 जनवरी 1950 को किया गया इसलिए यह 75 वां अमृत महोत्सव है। 1942 में क्रिप्स मिशन योजना आई, 16 मई 1946 को एक योजना पारित की कि हम हमारे देश को चलाने के लिए नियम और संविधान बनाने की रूपरेखा तैयार करेगें। तब संघ संविधान समिति, प्रांतीय समिति, संघ शक्ति समिति, मूल अधिकार समिति, प्रारूप समिति आदि समितियों के चयनित सदस्यों ने मिलकर 2 साल 11 महिने 18 दिन में 114 बैठकों के बाद संविधान का निर्माण किया। जो विश्व का सबसे विस्तृत संविधान है। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य ने किया और आभार डा.राजश्री ठाकुर ने माना। इस अवसर पर 45 से अधिक छात्रायें एवं स्टाफ मौजूद रहा।

हर्कियाखाल बालाजी मंदिर पर 14 दिन चलेंगे हनुमान जन्मोत्सव आयोजन

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। देश विदेश में प्रख्यात चमत्कारी श्री संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी मंदिर पर इस वर्ष श्री हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्री राममय वातावरण में मनाया जाएगा। 30 मार्च से शुरू होने वाले सभी आयोजन परम पूज्य गुरुदेव श्री लक्ष्मी नारायण जी शर्मा की पवन निश्रा में मनाए जाएंगे। जानकारी देते हुए समिति के दिनेश शर्मा ने बताया कि 26 वाँ चैत्र नवरात्रि हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लाह पूर्वक मनाया जाएगा। आयोजन की शुरुआत संगीतमय सुंदरकांड से 30 मार्च शाम 8 बजे से होगी, 31 मार्च को श्री राम कथा हनुमंत कथा आयोजन - जिसके प्रथम दिवस श्री राम कथा, शिव पार्वती विवाह, श्री राम जन्मोत्सव, द्वितीय दिवस श्री राम जानकी विवाह महोत्सव, तृतीय दिवस हनुमंत चरित्र और चतुर्थ दिवस भक्त चरित्र आयोजन होंगे। इसके पश्चात 4 अप्रैल से रामलीला महोत्सव की शुरुआत होगी, रामलीला 11 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम को 7:30 बजे आयोजित की जाएगी। 6 अप्रैल की सुबह 8:00 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन होगा 11:15 बजे महा आरती और छप्पन भोग के साथ सुंदरकांड की पूर्णाहुति होगी। 4 अप्रैल से लगातार चलने वाले रामलीला महोत्सव का हवन एवं पूर्णाहुति 12 अप्रैल को होगी, इसी 12 अप्रैल के दिन महा आरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जो सुबह 10:00 बजे से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलता रहेगा। आयोजन में पूजा दीदी मां साध्वी ऋतंभरा की शिष्या, सुप्रसिद्ध सरस भागवत प्रवक्ता हिंदू धर्म प्रचारक साध्वी समहिता देवी जी वृंदावन धाम और श्री राम मारुती यज्ञ मंदसौर के पंडित दशरथ जी भाई जी का सानिध्य प्राप्त होगा। पूज्य गुरुदेव श्री लक्ष्मी नारायण जी शर्मा सहित श्री संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी मंदिर समिति एवं संकट मोचन हर्कियाखाल बालाजी धर्मशाला परमार्थिक ट्रस्ट समस्त हर्कियाखाल कोटडी ईस्ट मुरार ग्रामवासियों ने आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भक्तों को पधारने और धर्म लाभ लेने का आह्वान किया है।

एसडीएम मनासा द्वारा प्रभुबाई को तीन हजार रूपये प्रतिमाह देने के आदेश

नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनासा श्री पवन बारिया द्वारा माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के तहत आवेदिका पड़दा हाल मुकाम अल्हेड मनासा निवासी प्रभुबाई खटीक को अनावेदक भाई कचरू लाल खटीक निवासी पड़दा से 3 हजार रूपये प्रतिमाह भरण पोषण राशि का भुगतान करने का आदेश जारी किया गया है। भरण पोषण राशि प्रभुबाई के बैंक खाते में प्रतिमाह 5 तारीख तक जमा नहीं करने पर अनावेदक के विरूद्ध दण्डारत्मकक कार्यवाही की जा सकेगी।

उल्लेखनीय है, कि आवेदिका प्रभुबाई की कृषि भूमि का अनावेदकगण उपयोग कर रहे है। अत: आवेदिका की वृद्धावस्था एवं अनावेदकगण द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधान कारक नहीं होने से तथा अनावेदकगण द्वारा आवेदिका की कृषि भूमि का उपयोग करने से भरण पोषण अधिनियम की धारा 09 की उपधारा 02 के तहत अनावेदक कचरूलाल पिता कनीराम खटीक पर रूपये 3000/- अक्षरी तीन हजार रूपये प्रति माह दिलवाये जाने का आदेश पारित किया गया है। अनावेदक कचरूलाल खटीक राशि 3000/- रूपये प्रतिमाह की 05 तारीख तक आवेदिका प्रभुबाई खटीक के बैंक खाते में जमा करेंगे।

जिले में रंग तेरस पर 27 को स्थानीय अवकाश

नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा नीमच जिले के लिए वर्ष 2025 में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए है। कलेक्टर द्वारा 27 मार्च 2025 गुरूवार को रंग तेरस पर स्थानीय अवकाश संपूर्ण जिले के लिए घोषित किया गया है। इसी तरह 27 अगस्त 2025 बुधवार को गणेश चतुर्थी एवं एक अक्टूबर 2025 बुधवार को महानवमी पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक आज

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ,जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 12 मार्च को प्रात: 10:30 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष, मंदसौर में आयोजित की गई है।

किसान के साथ अन्याय:प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना दलित किसान की फसल नष्टकी

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गरोठ तहसील के ग्राम उमरिया बलौदा में दलित किसान श्री प्रभुलाल मेघवंशी एवं उनके परिवार की खड़ी फसल को प्रशासन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के जेसीबी चलाकर नष्टकर दिया गया। इस फसल में गेहूं, चना, प्याज सहित अन्य फसलें एवं सेंटर का बगीचा शामिल था, जो कि परिवार की आजीविका का मुख्य साधन था।

न्याय मांगने पर मिली सजा– श्री प्रभुलाल मेघवंशी लंबे समय से अपनी जमीन के सीमांकन विवाद को लेकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे थे। उन्होंने कई बार तहसील कार्यालय के चक्कर काटे, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जब उन्हें कहीं से कोई राहत नहीं मिली, तो उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद प्रशासन द्वारा उन पर लगातार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। जब किसान परिवार ने दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो दुर्भावनापूर्वक उनकी फसल को बिना किसी पूर्व सूचना के नष्टकर दिया गया। प्रशासन की इस अमानवीय कार्रवाई से किसान और उनका परिवार सदमे में है और अब न्याय की आस में दर-दर भटक रहा है।

जनसुनवाई में उठी किसान की आवाज– इस अन्याय के खिलाफ आज ग्राम वासियों के साथ महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूपल संचेती, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य भाई दीपक सिंह गुर्जर, एवं कांग्रेस अजा सेल के जिला अध्यक्ष भाई संदीप सलोद के नेतृत्व में जनसुनवाई में किसान परिवार की पीड़ा को रखा गया। प्रशासन से इस अमानवीय कृत्य के लिए जवाबदेही तय करने और पीड़ित परिवार को न्याय देने की मांग की गई।

महिला कांग्रेस करेगी संघर्ष– महिला कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ किसान परिवार के साथ खड़ी है और तब तक संघर्ष करेगी जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता। प्रशासन द्वारा की गई इस अनुचित कार्रवाई के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि भविष्य में किसी भी किसान को इस तरह के अन्याय का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर अनुसूचित जनजाति के जिला अध्यक्ष संदीप सलोद, महिला कांग्रेस की मंडलम अध्यक्ष सरिता सोनी , रमेश मेघवंशी जी, मनीष सोनी , प्रभु लाल मेघवंशी, भारत मेघवंशी आदि कांग्रेस जन एवं पीड़ित परिवारजन उपस्थित थे

पूर्व सैनिकों का होली मिलन समारोह 23 को मनेगा, बैठक में लिया निर्णय

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर की बैठक स्थानीय वरिष्ठ नागरिक सदन दया मंदिर रोड पर संपन्न हुई। सर्वप्रथम संगठन के मार्गदर्शक एस.के. त्रिपाठी द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में विगत दिनों में जिले में विजय दिवस स्वागत जुलूस व अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी दिवस में होने वाले संगठन के कार्यों के बारे में चर्चाएं की गई एवं संगठन के आय व्यय व अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चाएं हुई।

बैठक में सभी की सर्वसहमति से यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष का होली मिलन समारोह रविवार 23 मार्च प्रात 9.30 बजे स्थान पिपलिया मंडी टोल प्लाजा के पास संगठन के जिला उपाध्यक्ष पूर्व सैनिक ईश्वर पाटीदार के होटल पटेल सा. (बही पार्श्वनाथ चौपाटी) पर होगा जिसमें जिले के सैनिक पूर्व सैनिक परिवार बच्चे और वीर नारियां शहीद परिवार सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर मार्गदर्शक एस के त्रिपाठी, एस आर जांगिड, रतन सिंह शक्तावत, संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालडी, शंभूगिरी गोस्वामी, एल एस चंद्रावत, मोहनलाल पापोडिया, संगठन मंत्री प्रहलाद राठौर, सहकोषाध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार, जिला मीडिया प्रभारी नरेंद्र खटवड ,मंदसौर त.प्रभारी ओपी अहिरवार, शामगढ त. प्रभारी राजेश खारोल, सुवासरा त.प्रभारी विष्णु चौधरी, दलौदा त.प्रभारी संतोष राव, धर्मेंद्र सोनी , रूपचन्द्र मावर, अंतिम भाटिया ,सन्नी भावसार ,आर एन गुर्जर, जितेंद्र माली शंकर धाकड सहित अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

नारी तू ... नारायणी

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। विश्व के विभिन्न क्षेत्रो में महिलाओ के प्रति सम्मान, प्रशंसा और स्नेह प्रकट करते हुए इस दिन को महिलाओ के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियो के उपलक्ष्य में उत्सव के रूप में सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष आठ मार्च को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता हे। नारी के कई रूप हे नारी जननी हे, मार्गदर्शिका हे, बेटी हे, बहन हे, पत्नी हे। भारत का इतिहास नारी शक्ति के शौर्य और संघर्ष से भरा पडा हे। प्रत्येक काल में पुरुष प्रधान समाज में नारियो का स्थान पूजनीय व वंदनीय रहा हे। अपने सामर्थ्य से महिलाओ ने कन्ही विदुषी बनकर भारतीय संस्कृति को नई उंचाईयां प्रदान की हे तो कन्ही वीरांगना बनकर अपने शौर्य और साहस से वीरता की नई गाथाएं लिखी हे। नारी की दृढता के आगे विपदाएं भी पेर पसार कर भागी हे। नारी ही हे जो नर को जन्म देती हे और उसे संस्कारो द्वारा नारायण बना सकती हे। बात इतिहास की करे या वर्तमान कालखंड की हर दौर में भारतीय महिलाओ का संघर्षपूर्ण जीवन एक नया अध्याय गडने वाला रहा हे। दृढ विचारो वाली सीता माता ने लंकेश को भी पराजित किया। द्रोपदी का प्रण किसे याद नही, स्वाभिमान जीवित रखने का पाठ हजारो पदमिनियो ने स्वयं जोहर कर के दिखाया। पति के अपमान का प्रतिकार रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजो को नाको चने चबवा कर लिया। नारी केवल कोमल जीव नही शक्ति स्वरूपा हे। आज की नारी प्रत्येक क्षेत्र में आगे बड रही हे चाहे वह क्षेत्र खेल हो या राजनीति, घर हो या उद्योग या चाहे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होकर देश सेवा करने का काम हो। अब तो सेना में भी नारी शक्ति अपनी सशक्त उपस्तिथि अंकित कर रही हे। लेकिन इसके बाद भी हम देखते हे की नारी वर्तमान में अनेक कुरूतियो की शिकार हे। ये कुरुतिया उसके आगे बडने में बाधाएं उत्पन्न करती हे। पडे लिखे लोग व जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नही हे। आज हजारो लड़कियो को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता हे। आज भी समाज में कई घर ऐसे हे जन्हा बेटियो को बेटो की तरह अच्छी शिक्षा नही दी जाती। बेटो और बेटियो के बीच भेदभाव किया जाता हे। इस सोच को पीछे छोडकर हमे आगे बडना होगा। भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया हे। ऐसा माना जाता हे की जन्हा नारी की पूजा होती हे वंहा ईश्वर निवास करते हे।वर्तमान समय में देखा जाए तो नारी को भोग की वस्तु समझकर व्यक्ति अपने तरीके से उपयोग कर रहा हे। यह चिंतनीय हे। महिलाओ के लिए नियम कानून कायदे तो बहुत बना दिए हे किंतु उन पर हिंसा और अत्याचार के आंकडो में अभी तक कोई कमी नही आई हे। देश का शायद ही ऐसा कोई कोना हो जंहा महिलाए दुर्व्यहार की शिकार न हो और तो और छोटी छोटी बेटियो के साथ जो अमानवीय घटनाएं हो रही हे निश्चित रूप से मानवता पर कलंक हे। देश में नारी सशक्तिकरण के साथ साथ पुरुषो का संस्कारिकरण भी जरूरी हे। हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए इस पर विचार करना वर्तमान समय की आवश्यकता हे। सरकारो ने भी अपने स्तर पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ के माध्यम से नारी शक्ति के संरक्षण, संवर्धन एवम कल्याण के प्रयास किए ही हे किंतु इन प्रयासो को सफलता कन्हा तक मिली यह विचारणीय हे। महिलाओ को भी पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता से बाहर आकर यह समझना होगा कि वह पुरुष प्रधान समाज नही बल्कि शक्ति प्रधान समाज का महत्वपूर्ण अंग हे और वह केवल एक दिन की सहानभूति नही अपितु हर दिन अपना अधिकार व सम्मान चाहती हे। समाज में महिलाओ की स्थिति में सुधार तभी आएगा जब लोगो की महिलाओ के प्रति सोच, आचरण व व्यवहार में बदलाव आएगा और तभी महिला दिवस मनाने की सार्थकता भी होगी।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

मप्र राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर अमरकंटक में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का प्रतिनिधित्व कर लौटे स्वयंसेवक

पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस मंदसौर में स्वयंसेवकों का सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर में राष्ट्रीय सेवा योजना (छड्ड) के राज्य स्तरीय शिविर के सफल आयोजन के उपरांत सम्मान एवं अनुभव कथन समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने जानकारी दी कि यह शिविर 'मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' थीम पर दिनांक 2 से 8 मार्च तक अनूपपुर, अमरकंटक में आयोजित किया गया था। इस शिविर में विक्रम विश्वविद्यालय की दल का नेतृत्व महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार आर्य ने किया। विक्रम विश्वविद्यालय की टीम में महाविद्यालय के तीन स्वयंसेवक सुधांशु भावसार, प्राची सोनी और महेंद्र गरासिया — ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और अनुशासन के गुण सीखने के साथ-साथ अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं में भी वृद्धि की। शिविर से लौटने के पश्चात महाविद्यालय परिवार और एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रेरक विचारों से सभी को उत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान भूगोल विषय में नेट/जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले वरिष्ठ स्वयंसेवक शशांक कदम और हिंदी विषय में एमपी सेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली वरिष्ठ स्वयंसेविका आरती नेक्स का भी सम्मान किया गया। इन सफल स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा कर अन्य स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। समारोह में जिला संगठक एनएसएस के डॉ. के.आर. सूर्यवंशी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित लोधा तथा एनएसएस सहयोगी प्रो. रितु शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की सफलता पर दल को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने भी इस कार्यक्रम में सहभागिता की तथा एनएसएस के उद्देश्यों और सेवाभाव को प्रोत्साहित किया।

नारी में अष्टशक्तियों का जागरण हो जाए तो वह सर्व शक्तिमान बन सकती है–सविता दीदी

पिपलियामंडी, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित किया। संस्था के सब जोन प्रभारी सविता दीदी (नीमच) ने कहा वास्तविक सशक्तिकरण आत्मा का होना चाहिए। हर नारी के अंदर सहन शक्ति, सामना करने की शक्ति, निर्णय शक्ति आदि अष्टशक्तियों का अगर जागरण हो जाए तो नारी सर्व शक्तिवान बन सकती है। लड, झगडकर अपनी बात मनवाना कोई बडी बात नहीं है। किंतु यदि हम अपने आत्मिक शक्ति से परिस्थिति को परिवर्तन कर पाए तो ये बहुत बडी उपलब्धि होगी। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इसी प्रकार से पिछले 89 वर्षों से नारी जागरण के अभियान में सतत प्रयास कर रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने कहा कि माताओं को अपने बच्चो को देवीय संस्कार देने चाहिए। बडो का मान सम्मान करने की शिक्षा देनी चाहिए। साथ मोबाइल का उपयोग करें लेकिन दुरुपयोग न करें। बच्चों को भी सही गलत का ज्ञान कराए। नारायणगढ से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रीना दख ने उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। अतिथियों का स्वागत ललिता भंडारी, रमा तिवारी ने गुलदस्ता भेंट कर किया। नारी सशक्तिकरण की दो सुंदर नृत्य नाटिका अवनी राठौर और निकिता सुथार ने प्रस्तुत की गई। पेंशनर महासंघ के श्यामलाल बोराना, हरिसिंह यादव ने सविता दीदी का शाल, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में नगर और अंचल की अनेक मातृ शक्ति बहने मौजूद रही। संचालन सेवा केंद्र प्रभारी बी के शीतल दीदी जी ने किया। आभार कृति बहन, खुशाल बहन और प्रीति बहन ने किया।

राहुल प्रजापति के उपचार की नि:शुल्क व्यवस्था करें–चंद्रा

फुलादेवी को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिलाकर स्वरोजगार उपलब्ध करवाएं, कलेक्टर ने जनसुनवाई में 110 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्राम जमुनियाकलां के गंभीर रूप से पीड़ित आवेदक राहुल प्रजापति को उपचार के लिए अहमदाबाद भेजकर, सीएसआर मद से नि:शुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई जाए और स्कीम नं.9 नीमच निवासी फुलादेवी को स्वरोजगार का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर, स्वरोजगार उपलब्ध कराए।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच एवं एलडीएम तथा कौशल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में कलेक्टर ने 110 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में बघाना के अयुब, चपलाना के मांगीलाल, सुवाखेडा के राधेश्यांम प्रजापत, धामनिया के रतनलाल, झांतला की लालीदेवी, अरनिया मानगीर की नानीबाई, खेडा बांगड के बाबुलाल, जेतपुरा की प्रेमबाई, नई आबादी खोर की कमला बाई, कुमारियावीरान की सुगनाबाई, बरूखेडा के हीरालाल ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तु त किए। इसी तरह जनसुनवाई में कन्नावटी के रामप्रसाद, नया बाजार नीमच के कुंदन जायसवाल, नई आबादी दुदरसी के हरलाल, सुरेश, बंशीलाल, वार्ड नं.5 नीमच के नारायण लाल, अरनिया कुमार के मुकेशदास बैरागी, कुचडौद की शांतिबाई, चेनपुरा के गब्बूसिह, रतनगढ के गोपालकृष्णन, बंगला नं.60 नीमच के समीर हुसैन, मुण्डला की सन्नाबाई, मेहनोत नगर नीमच के शंकरलाल, अठाना के अकबर खान, रेवली देवली के जसवंत नागदा, गिरदौडा की नागकुंवर, नीमच सिटी के धनराज भाटी, धनेरिया कलां की मधु कुंवर आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, समस्याएं सुनाई।

विद्यार्थियों ने ली संविधान की प्रस्तावना की शपथ

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस मंदसौर के प्राचार्य प्रो. जे. एस. दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार एव मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संविधान के अमृत महोत्सव के अंतर्गत वर्षभर संविधान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया जाना है, इसी संबंध में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। प्रस्तावना का वाचन राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ संतोष सिंह मालवीय ने किया। इस अवसर पर विभाग के सदस्य श्री सोहन यादव, श्री प्रहलाद भट्ट उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग, चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से करेगा बातचीत

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग ने कानून ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से ईआरओ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्तर पर अनिराकृत प्रकरणों की 30 अप्रैल, 2025 तक जानकारी मांगी है। आयोग ने इस संबंध में राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत रूप से पत्र भी जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक सम्मेलन किया गया था। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और ईआरओ को राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठक करने और प्राप्त सुझावों पर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए थे। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह भी किया है। चुनाव प्रकिया से संबंधित 28 हितधारक हैं, जिसमें राजनीतिक दल एक प्रमुख हितधारक है। जिन्हें संविधान और वैधानिक ढांचे के तहत चुनावी प्रक्रियाओं से जुड़े सभी पहलुओं में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता दी गई है। आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को जारी किए गए पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951; निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960; चुनाव संचालन नियम, 1961; माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेंद्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है ।

आज राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला में मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला समिति सभापति श्रीमती खेरून बी शहजाद पटेल, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि आज दिनांक 12 मार्च बुधवार को रात्रि 8.30 बजे हजरत नाहर सैय्यद दरगाह परिसर में राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला के अवसर पर मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन रखा गया है जिसमें डॉ. माजिद देवबंदी (देवबंद उत्तर प्रदेश), इस्माइल नजर (देवास), इमरान रफित (मुम्बई), हामिद भुसावली (भुसावल महाराष्ट्र), सुहाना नाज (मुम्बई), अयाज एहमद अयाज (उराई) नईम अख्तर (बुरहानपुर), राजेन्द्र आचार्य (भुवानीमंडी), मोहन मुंतजीर (नैनीताल), नैना नसीब (कोटा राज.) अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छोटे मियांजी सरकार श्री वकीलउद्दीन सा., शहर काजी श्री आसिफ उल्लाह सा., भाजपा जिला महामंत्री श्री अजयसिंह चौहान, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व नपा सभापति श्री पारस मावर, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, पूर्व भाजपा मण्डल महामंत्री श्री मुकेश खमेसरा, पूर्व नपा सभापति श्री हिम्मत डांगी, पूर्व नपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, वरिष्ठ अभिभाषक श्री पुखराज दशोरा, पूर्व जिला रेडक्रास सोसायटी चेयरमैन प्रीतेश चावला, नपा नेता प्रतिपक्ष व पार्षद रफत पयामी, हज कमेटी के पूर्व डायरेक्टर अनवर एहमद मंसूरी एडवोकेट, भाजपा युवा नेता श्री भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, भाजपा नेता श्री दिलीप ग्वाला, पूर्व नपा सभापति श्री रामेश्वर मकवाना, कन्हैयालाल सोनगरा, श्री अशोक कर्नावट, हाजी मुंशी खां, श्री नाहरू मंसूरी होंगे। मंदसौर नगर व जिले के गणमान्य नागरिकों से आग्रह है कि वे इस कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाये। इस आशय की अपील राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला समिति सदस्यगण श्रीमती बब्बन युसुफ गौरी, गोवर्धन कुमावत, श्रीमती मंजू अनिल मालवीय, श्रीमती कमरूनिशा आरिफ अंसारी एवं मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने की है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया कि जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 12 मार्च को सायं 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम मंदसौर के सभा-भवन में आयोजित होगी।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक आज

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 12 मार्च को जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे आयोजित होगी।

गौ माता के आहार के लिये सुखला दान करें–अटोलिया

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में गौ माता की सुरक्षा की दृष्टि से पूज्य संत गण, सामाजिक संस्था ग्राम पंचायतों के माध्यम से गोशालाओं का संचालन कर रहे है। गौशाला प्रारंभ करना बहुत सरल कार्य है लेकिन गोशालाओं का संचालन करना अत्यंत कठिन कार्य है। गौशाला संचालन समिति गोमाता के आहार (सुखला) के लिये वर्षभर संघर्ष करती है व कई प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पडता है, इस बार फसल की पेदावार भी अच्छी है व सुखले की पर्याप्त व्यवस्था भी है। उक्त विषय में आत्मीय निवेदन करते हुए भारतीय जनता पार्टी पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने किसान भाईयों से आग्रह किया है की गौशाला का संचालन अच्छे से हो व गोमाता का आहार का भण्डारण पर्याप्त हो इसके लिये किसान भई अपने-अपने सामर्थ के अनुसार एक ट्राली या उससे अधिक सुखला अपने पास की गौशालाओं में दान करें, जिससे पर्याप्त गोमाता के आहार का भण्डारण हो सके और पूरे वर्षभर गोशाला का संचालन समितियों द्वारा अच्छे से सम्पन्न हो सके। गोमाता का आर्शीवाद क्षेत्र को मिलता रहे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	12	2275	2490
उडद	3	5400	5799
सोयाबीन	3224	3800	4060
गैहु	9000	2250	2752
चना	460	5001	5410
मसुर	355	5300	5940
धनिया	1031	4702	7486
लहसुन	20000	4500	5900
मैथी	1100	3500	5573
मुंगफली	804	4200	5151
अलसी	886	5500	5873
सरसो	825	4951	5353
तारामीरा	20	4681	4737
इसबगोल	42	9800	12450
प्याज	1845	400	1700
कलोंजी	6	14500	15901
तुलसी बीज	1	10201	10201
डॉलर	0000	0000	00000
तिल्ली	8	8601	8850
जौ	35	2050	2140
मटरसुखी	24	3680	4576
असालीया	26	6500	6731
चियाबीज	113	10500	13801

जिले की क्षतिग्रस्त सड़कों की एक सप्ताह में मरम्मत, पेचवर्क करवाए-कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों के निराकरण की बैठक में लोक निर्माण व एमपीआरडीसी को दिए निर्देश

नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले की नीमच, सिंगोली सडक और लोक निर्माण विभाग की अन्य सडकों की मरम्मत पेचवर्क का कार्य एक सप्ताह में पूरा करवाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने तीनों एसडीएम को निर्देश दिए, कि वे आगामी त्यौहारों को देखते हुए कानून एवं व्यवस्था पर कडी नज़र रखे, आयोजकों से सम्पर्क समन्वयक कर आयोजनों की और उनके स्वयं सेवकों की जानकारी प्राप्ति कर लें। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि शासकीय एवं निजी अस्पतालों की 200 मीटर की परीधि में किसी भी प्रकार के आयोजन और डी.जे. की अनुमति नहीं दी जाए। इसका सख्तीं से पालन करवाया जाए। एक सप्ताह में 10 जनसुनवाई आवेदनों का निराकरण करें- बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा में निर्देश दिए, कि सभी जिला अधिकारी आगामी जनसुनवाई तक जनसुनवाई में अब तक विभाग से संबंधित प्राप्तम न्यूनतम 10 आवेदनों का निराकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होने सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों का भी संतुष्टी के साथ निराकरण करवाने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने उपखण्ड, तहसील एवं नगरीय निकाय स्तर पर भी प्रति सप्ताह जनसुनवाई कार्यक्रम करने और आवेदकों की समस्याओं का समाधान करने के संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने वन विभाग के एसडीओ को निर्देश दिए कि वे जिले के वन क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में संभावित आगजनी की घटनाओं की रोकथाम के लिए कार्यवाही करें और आगजनी से वनों को किसी भी प्रकार का कोई नुकसान न हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था एवं प्रबंध करें।

मप्र लॉजिस्टिक्स सेक्टर में नए निवेश की बढ़ी संभावनाएं-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आ रहा है। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण यह प्रदेश उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम के व्यापार मार्गों को सुविधाजनक रूप से जोड़ते हुए एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभर रहा है। आधुनिक बुनियादी ढांचे, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और उद्योग समर्थक नीतियों के कारण प्रदेश निवेशकों के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में की जा रही रणनीतिक पहलों से मध्यप्रदेश अब सिर्फ ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि पूरे भारत की आपूर्ति श्रृंखला का एक मजबूत आधार बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग के हब के रूप में उभर रहा है। अपनी भौगोलिक स्थिति, उत्कृष्टबुनियादी ढांचे और उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण यह प्रदेश निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी, अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स पार्क और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं इसे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नई उंचाइयों पर ले जा रही हैं।

बेहतर सड़कों और कॉरिडोर से लॉजिस्टिक्स को नई दिशा–प्रदेश में लॉजिस्टिक्स को मजबूती देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों का तेज़ी से विस्तार किया गया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, उत्तर-दक्षिण फ्रेट कॉरिडोर और भारतमाला परियोजना प्रदेश को लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण केंद्र बना रही हैं। इंदौर और भोपाल में विकसित हो रहे मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) व्यापार को आसान और लागत प्रभावी बना रहे हैं।

हवाई मार्ग से निर्यात और उद्योग को नई गति–प्रदेश के छह प्रमुख हवाई अड्डों पर एयर कार्गो सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बड़ी ताकत मिल रही है। रीवा हवाई अड्डे के चालू होने से व्यापार और औद्योगिक परिवहन को नई रफ्तार मिली है। फार्मा, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल और खाद्य प्र-संस्करण जैसे उद्योगों को अब कम समय में बेहतर लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

डिजिटल तकनीक से लॉजिस्टिक्स और बिजनेस में आई ट्रांसपेरेंसी–प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत विकसित डिजिटल लॉजिस्टिक्स प्रणाली व्यापारियों के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) के माध्यम से पारदर्शी और कुशल लॉजिस्टिक्स सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश के लॉजिस्टिक्स हब में स्मार्ट वेयरहाउसिंग, ऑटोमैटेड ट्रैकिंग और डिजिटल डिलीवरी सिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है।

औद्योगिक विकास एवं लॉजिस्टिक्स में बेहतर तालमेल–प्रदेश में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास का गहरा तालमेल देखने को मिल रहा है। विक्रम उद्योगपुरी आईआईटीवीयूएल जैसी परियोजनाएं लॉजिस्टिक्स सेक्टर के विस्तार में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश में स्थापित किए जा रहे 11 औद्योगिक गलियारे और 20 स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र लॉजिस्टिक्स उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। हरित ऊर्जा समाधान और इलेक्ट्रिक लॉजिस्टिक्स वाहनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मजबूत नीति और प्रोत्साहन–मध्यप्रदेश सरकार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं लेकर आई है। निश्चित पूंजी निवेश पर 30% तक की वित्तीय सहायता, स्टाम्प ड्यूटी में 100% छूट और लॉजिस्टिक्स पार्कों के लिए अनुदान जैसी योजनाएं निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। ग्रीन लॉजिस्टिक्स को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार आईजीबीसी प्रमाणन प्राप्त इकाइयों को अतिरिक्त रियायतें दे रही है।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नए अवसरों का केंद्र–प्रदेश की मजबूत आधारभूत संरचना, उन्नत तकनीक और उद्योग अनुकूल नीति इसे लॉजिस्टिक्स सेक्टर के सबसे प्रमुख निवेश केंद्रों में शामिल कर रही है। सरकार के स्पष्ट विजन और विकास रणनीति के चलते यह क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (आईआरएमए) को देश में अपनी तरह के पहले विशेषीकृत राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जा रहा है जिसको लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने प्रश्नकाल के दौरान कहा कि आंनद विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रमुख विशेषता क्या है। क्या सरकार द्वारा देश में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान और विकास प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए अन्य क्या कदम उठाए और सरकार का देश के अन्य भागों में ऐसे और सहकारी विश्वविद्यालय खोलने का विचार है।

प्रश्न के जवाब में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बताया कि ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद (आईआरएमए) को देश में अपनी तरह के पहले विशेषीकृत राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जा रहा है। प्रस्तावित विश्वविद्यालय का लक्ष्य और उद्देश्य सहकारी क्षेत्र की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योग्य और प्रशिक्षित श्रमबल प्रदान करने हेतु तकनीकी और प्रबंधकीय शिक्षा प्रदान करना, सहकारी समितियों के कर्मियों और बोर्ड के सदस्यों का कौशल विकास सहित क्षमता निर्माण करना, सहकारी अनुसंधान और विकास का संवर्धन करना और सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के लिए वैश्विक उत्कृष्ता के मानकों को प्राप्त करना और संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से देश में सहकारी आंदोलन को सशक्त करना है। उन्होने बताया कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय में शीर्ष पर एक शासी निकाय होगा जिसके अध्यक्ष कुलाधिपति होंगे। एक कार्यकारी परिषद होगा जिसके अध्यक्ष कुलपति होंगे और जो विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यकारी निकाय होगा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय डेयरी, मात्स्यिकी, ग्रामीण ऋण, सहकारी वित्त, आदि जैसे सेक्टर विशिष्ट स्कूल स्थापित करेगा। प्रत्येक स्कूल के प्रमुख डीन होंगे जोकि उक्त स्कूल का प्रधान शैक्षणिक और प्रशासनिक अधिकारी होगा। प्रत्येक स्कूल में एक सहकारी अध्ययन बोर्ड भी होगा जिसकी अध्यक्षता डीन करेगा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सामूहिक ई-लर्निंग (उँ म-समंतदपदह) प्लेटफॉर्म और प्रौद्योगिकी का भी लाभ उठाएगा। उन्होने बताया कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद सरकार ने देश में सहकारी आंदोलन को सशक्त करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इन उपायों में राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (छब्ब्ज्) के माध्यम से सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान और विकास प्रदान करना और प्रोत्साहित करना शामिल है।

राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, सहकारी समितियों के लिए लाभकारी सरकारी योजनाओं और उक्त योजनाओं के अधीन वित्तीय सहायता लेने की प्रक्रिया के बारे उनके बीच जागरुकता लाने हेतु ग्राम स्तर तक जागरुकता कार्यक्रम भी संचालित कर रही है। एनसीसीटी द्वारा प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पैक्स) को ष्कॉमन सेवा केंद्र पैक्स के रूप में कार्य करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाने से, पैक्स को 300 ग्राम-सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया गया है। इस परियोजना का आरंभ दिनांक 18.06.2024 को और समापन दिनांक 30.11.2024 को किया गया जिसके अंतर्गत देश भर में 30134 पैक्स के सचिवों को, पैक्स और उनके सदस्यों द्वारा एनसीसीटी सेवाओं के प्रभावशाली उपयोग के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा को समाज सुधार का माध्यम बनाया-शांता सैनी

सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर सावित्रीबाई फुले सहकारिता साख संस्था द्वारा दया मंदिर शॉपिंग कांप्लेक्स में एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

कार्यक्रम के आरंभ में संस्था के संरक्षक श्रीमती शांता देवी फकीरचंद सैनी दया मंदिर, श्रीमती प्रीति रोखले, श्रीमती तुलसा खत्री एवं संस्था अध्यक्ष भैरूलाल राठौड़ द्वारा माता सावित्री देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती शांता सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने एक और जहां महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया वही शिक्षा को समाज सुधार का एक सशक्त माध्यम बनाया, इसी कारण आज मंदसौर जिले की जिला कलेक्टर, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं मंदसौर नगर की प्रथम नागरिक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर मातृशक्ति सुशोभित हो रही है। कार्यक्रम में नगर में शिक्षा स्वास्थ्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली मातृशक्ति श्रीमती राखी मेहता, श्रीमती मीनाक्षी मोर, श्रीमती मालती गहलोत, श्रीमती विद्या करोटिया, श्रीमती पुष्पा सैनी, श्रीमती पूनम झा, श्रीमती मालती अग्रवाल, श्रीमती बुलबुल परमार, श्रीमती विनीता गोड, श्रीमती ग्यारसी परमार आदि का स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र अपनी अलग पहचान बनाने वाली अचल सैनी, जयश्री भाटी विशेष स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अभिभाषक डालूराम लिलोरिया, मोहनलाल दायमा, प्रभुलाल महावर, कैलाश माली, अंकित गहलोत, प्रदीप भाटी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रीमा दिनेश सैनी ने किया एवं आभार श्रीमती उमा सैनी ने माना।

राजेश शर्मा मंदसौर जिला प्रभारी नियुक्त

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री विश्वकर्मा काष्ठ एवं लोक कला कल्याण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशन लाल विश्वकर्मा एडवोकेट भोपाल की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा ने मंदसौर के युवा श्री राजेश शर्मा को संगठन का मंदसौर जिला प्रभारी नियुक्त किया है ! आप के मार्गदर्शन में जिले के गठन का गठन किया जावेगा एवं संगठन को नई उंचाइयां प्रदान की जावेगी! राजेश शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर संगठन के सभी पदाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को सक्रियता से मंदसौर जिले में नया रूप देने का प्रयास करने का संकल्प लिया शीघ्र ही मंदसौर जिले की इकाइयों का गठन किया जावेगा।

काकरवां बालाजी पर्यटन स्थल घोषित होगा -देवड़ा

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर से 35 किलोमीटर दूर तथा जावरा से 10 किलोमीटर दूर प्रकृति की सुरम्य वादियों में एक विशाल डैम के किनारे का काकरवां बालाजी का मंदिर जो 200 वर्ष पुराना है तथा वहां पर पंच कुंडी यज्ञ एवं नवरात्रि में मेला भी भरता है तथा रतलाम मंदसौर सहित मालवांचल एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के लोग काकरवां बालाजी के दर्शन करके अपने आप को धन्य महसूस करते हैं तथा उनकी मानता भी पूरी होती है।

उक्त विचार व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वहाँ के ट्रस्ट तथा नागरिकों की अपील पर यह आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा सकता है और राज्य शासन तथा पर्यटन विकास निगम के संयुक्त प्रयासों से इसका संपूर्ण प्रोजेक्ट सरकार के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। श्री देवड़ा उक्त मंदिर में स्वयं दर्शन करने भी गए तथा पूजा अर्चना की एवं वहां की बालाजी की विशाल प्रतिभा को देखकर तथा मंदिर की व्यवस्थाओं को देखकर वह अत्यंत प्रसन्न भी हुए। श्री देवड़ा के साथ राज्यसभा सांसद श्री बंसीलाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष मंदसौर श्री राजेश दीक्षित, सहित वहां के ट्रस्ट के संरक्षक इंजीनियर बी.एस. सिसोदिया, अध्यक्ष राजेश देवड़ा, मंत्री मनोहर डाबी, श्यामू सेठ, कालू सिंह पूर्व सरपंच, मानसिंह गुर्जर, अभय सिंह गुर्जर भी थे। उक्त अवसर पर जनपद पंचायत मंदसौर के अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा भी उपस्थित रहे। ट्रस्ट के संरक्षक श्री बी.एस. सिसोदिया ने श्री देवड़ा से सार्वजनिक रूप से आग्रह किया कि पूर्व में भी पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष इस स्थल को पर्यटन के लिए उपयुक्त घोषित कर गए थे। इस कार्यक्रम में उस फाइल को पुन: जीवित किया जावे तथा इस स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में घोषित किया जाए ताकि क्षेत्र की जनता को धार्मिक स्थान सहित एक मनोरंजन स्थल प्राप्त हो सकेगा।

प्रदेश के 700 हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रारंभ होगी व्यावसायिक शिक्षा

स्कूल शिक्षा विभाग ने केन्द्र सरकार को भेजा प्रस्ताव

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लागू की जा रही नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रत्येक बिंदु को ठोस तरीके से लागू किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में तेजी से बढ़ती हुई विश्व की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का किस प्रकार से योगदान हो उसकी चिंता की गई है। बढ़ती हुए आबादी के साथ जनता के लिये उनकी शिक्षा, कौशल और आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार का सृजन एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दे रहा है।स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शैक्षणिक सत्र में 700 नये उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नये ट्रेड एवं जॉब रोल्स शुरू करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग को भेजा है। यह ट्रेड 21वीं सदी के नवीन कौशल उन्नयन पर आधारित है। वर्तमान में 2383 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के कोर्स चल रहे है। इन्हें मिलाकर प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा देने वाले स्कूलों की संख्या 3 हजार से अधिक हो जायेगी। इन कोर्स में उन्नत कृषि को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। डेयरी विकास से जुडे कोर्स कन्स्ट्रशन ट्रेड अंतर्गत मेशन सहायक, कंस्ट्रशन पेन्टर, असिस्टेंट डिजाइनर, फैशन, हाउसकीपिंग, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मैनेजमेंट के जॉब रोल्स भी प्रारंभ किये जायेंगे। वर्तमान में संचालित कोर्स में कक्षा 9 और 10 में डाटाएंट्री ऑपरेटर, जूनियर फील्ड टेकनिशियन, असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट, रिटेलस्टोर, ऑपरेशन असिस्टेंट, प्रायवेट सिक्योरिटी गॉर्ड, फूड एण्ड बेवरीज, सर्विस असिस्टेंट, माइक्रो फ़ाइनेंस एग्ज़ीक्यूटिव, असिस्टेंट प्लम्बर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट, इलेक्ट्रॉनिक सर्विस असिस्टेंट और फिजिकल एजूकेशन असिस्टेंट विषय प्रमुख है, कक्षा 11 और 12 में जिन कोर्स को प्राथमिकता दी गई है। उनमें जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर, सौलर पैनल टेक्नीशियन, ड्रोन सर्विस टेक्नीशियन, सीसीटीबी, फुटेज ऑपरेटर, फ्लोरीकल्चर, सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर प्रमुख है।

4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा–प्रदेश में वर्तमान में 2383 विद्यालयों में 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा देने के लिये 4 हजार 700 से अधिक शिक्षकों को विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश में संचालित व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये है।

सभी विभाग एवं बैंक मिशन मोड में काम करें-कलेक्टर

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग एवं बैंक मिशन मोड में काम करें तथा जितने भी लंबित प्रकरण है उनका तुरंत निराकरण करें। जितने भी विभागों के लक्ष्य हैं उनको हासिल करे। बिना किसी कारण के कोई प्रकरण निरस्त न करें। अस्वीकृत आवेदनों के कारण स्पष्ट बताएं। बैंकों में लोन के लिए आवेदन प्रस्तुत करते समय प्रकरण के साथ कोटेशन पूर्ण रूप से हो। इसका ध्यान रखें। सहकारी बैंक किसानों को ड्रिप सिंचाई एवं स्पिगलर के लिए लोन प्रदान करें। इसके लिए कैंप आयोजित करें। जल संसाधन विभाग की समितियों के साथ समन्वय करके किसानों को लोन प्रदान करे। उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत उद्योग विभाग लक्ष्य से अधिक युवाओं को लोन प्रदान करें। जिससे अधिक से अधिक युवा इस योजना का लाभ प्राप्त कर सके। ठ्ड्एढ्ख अधिक से अधिक युवाओं को अलग-अलग ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करें। बैंक मित्र का प्रशिक्षण अधिक से अधिक युवाओं को प्रदान करें, जिससे युवा नई-नई विधाओं में पारंगत होकर रोजगार स्थापित कर सके। बैंकों का पेपर लेस होना एक सुविधा है, इसके कारण ग्राहकों को बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, लीड बैंक मैनेजर श्री मोदी, सभी बैंक के मैनेजर, प्रतिनिधि, विभाग प्रमुख मौजूद थे।

पशु क्रूरता अधिनियम के तहत जप्त शुदा ट्रक राजसात

नीमच, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस थाना जीरन के अपराध क्र.23/2025, धारा 4,6,9,10 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम म.प्र.कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम पशु क्रुरता अधिनियम के एक प्रकरण में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ द्वारा जप्त शुदा वाहन ट्रक क्र. MP13ZN3484 तथा उसमें क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे कुल 13 बैल (गौवंश) को मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, पशु परिरक्षण अधिनियम व पशु क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 के उल्लंकन फलस्वरुप मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में करने का आदेश पारित किया गया हैं।

समाजसेवी राजेन्द्र हेड़ा का दु:खद निधन

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के परम भक्त और विभिन्न धार्मिक गतिविधियों को अंजाम देकर समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य करने वाले श्री राजेन्द्र हेड़ा का लम्बी बीमारी के बाद 11 मार्च, मंगलवार को दु:खद निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर चले गये। श्री हेड़ा की अंतिम यात्रा उनके निज निवास जीवांगज से निकली। जिसमें बडी संख्या में माहेश्वरी समाजजन, भगवान पशुपतिनाथ प्रात:कालीन आरती मण्डल के पदाधिकारी सहित समाजसेवी, पत्रकारगण सम्मिलित हुए। मुक्तिधाम पर उनके पुत्र अंकित हेड़ा (माहेश्वरी) और पौत्र अनव ने मुखाग्नि दी। मुक्तिधाम पर आयोजित श्रद्धांजलि सभी ने स्व. श्री हेड़ा द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

ग्रामीण बसाहटों को शहरी...

पेज 1 से जारी

सहायक, सचिव को लगाया जाए जो संपर्कता सर्वे मोबाइल एप पर भौतिक सत्यापन रजिस्टर करें। जिला स्तर पर मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक एप में रजिस्टर भौतिक सत्यापन को एप्रूव(मंजूर) करेंगे एवं दैनिक प्रगति से जिला पंचायत सीईओ को अवगत कराएंगे।

सीईओ एवं अपर कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में 69 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 69 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदक सत्यनारायण पिता पूरालालजी निवासी ग्राम बसई तह. सुवासरा जिला मंदसौर द्वारा पटवारी द्वारा गलत नामांतरण करने में सुधार करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर सीतामऊएसडीएम को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। आवेदक कलावतीबाई पति स्व. गोपीचंद निवासी ग्राम अन्त्रालिया तह. भानपुरा द्वारा संबल योजना के अन्तर्गत असामयिक मृत्यु हो जाने की दशा में शासन के द्वारा मिलने वाली दो लाख रूपये की योजना का लाभ न मिल पाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। जिस पर श्रम विभाग को निर्देश दिए गए की जांच कर उचित कार्यवाही करें। आवेदक धन्नालाल पिता सालगराम पाटीदार निवासी हनुमंती तह. दलोदा जिला मंदसौर द्वारा पटवारी मौजा द्वारा मसुर के स्थान पर गेंहू की फसल गिरदावरी में चढाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर दलोदा तहसीलदार को कार्यवाही के निर्देश दिए।

✻✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सोनू पति मनोज कुमार ने अपना नाम परिवर्तन कर सोनू टेलर पति मनोज कुमार कर लिया है। भविष्य में अपने नए नाम सोनू टेलर पति मनोज कुमार के नाम से जाना एवं पहचाना जाएं।

पता-123, काचरिया, म.नं.-1 से 162 ग्राम काचरिया, मंदसौर (म.प्र.) 458990

✻ शवयात्रा ✻

स्व. श्री छब्बालालजी सोनी की पुत्र वधू, इंजी. ओमप्रकाश सोनी (साबाखेड़ा वाला) की धर्मपत्नी, शैलेन्द्र सोनी की माताजी, स्व.मांगीलालजी सोनी, श्यामलाल सोनी (जयपुर वालों) की बहन श्रीमती कांतादेवी सोनी का आकस्मिक स्वर्गवास 11 मार्च को हो गया है जिनकी शवयात्रा आज 12 मार्च, बुधवार को प्रात: 10.30 बजे निज निवास भावसार नमकीन के पास गीता भवन रोड़ मंदसौर से शव वाहन द्वारा निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
ओमप्रकाश सोनी इंजीनियर
शैलेंद्र सोनी व परिवार

कार्यालय अधीक्षक सब जेल गरोठ, जिला जेल मंदसौर (म.प्र.)

E.mail-jssjgaroth@mp.gov.in Tel. No.-07425-238248
क्रमांक-650/निर्वाह/2025 गरोठ, दिनांक - 05.03.2025

✻✻✻ ई-निविदा आमंत्रण सूचना ✻✻✻
वार्षिक निविदा वर्ष 2025-26 द्वितीय आंत्रण

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश जेल आपूर्ति नियम 1968 तथा म.प्र. भंडार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के तहत सब जेल गरोठ में परिरुद्ध बंदियों हेतु स्वच्छता, विद्युत/भवन निर्माण एवं अन्य सामग्रियों तथा दवाईयों की पूर्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा से संबंधित समस्त जानकारी https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। ई-निविदा का कार्यक्रम निम्नानुसार है।

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01	प्री-बीड मीटिंग	दिनांक 01.04.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जेल गरोठ
02	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि।	दिनांक 05.04.2025 प्रातः 11.00 बजे तक	https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकेंगे
03	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि।	दिनांक 05.04.2025 शाम 05.00 बजे तक	https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकेंगे
04	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि।	दिनांक 06.04.2025 दोपहर 12.00 बजे	सब जेल गरोठ
05	नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण की तिथि।	दिनांक 07.04.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जेल गरोठ
06	तकनीकी ई-निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि।	दिनांक 09.04.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जेल गरोठ
07	वित्तीय ई-निविदा खोलने की तिथि।	दिनांक 11.04.2025 प्रातः 11.00 बजे	सब जेल गरोठ

G-24162/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

अधीक्षक
सब जेल गरोठ (म.प्र.)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.III-102 जो श्री जगदीश चन्द्र शर्मा पिता श्री चतुर्भुज शर्मा को मण्डल आदेश क्रमांक 4941 दिनांक 28.11.2003 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 28.03.2012 को उप-पंजीयक कार्यलय में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री जगदीश चन्द्र शर्मा पिता श्री चतुर्भुज शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 05.07.2024 को हो जाने से इनके पुत्र श्री ओमप्रकाश शर्मा पिता स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा एवं श्री राजेश शर्मा पिता स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती शिवकन्या शर्मा पति स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामान्तरण श्रीमती शिवकन्या शर्मा पति स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 126/2025 दिनांक 11.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्वं साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा मनोहरलाल पिता देवीलाल सरगरा, निवासी-ग्राम-सुरी, तहसील व जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान सर्वे क्रमांक 391 (बी), भूखंड नं. 45(पी), पटवारी हल्का नं. 00099 पर दर्ज होकर, पता-ग्राम-सुरी, तहसील व जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. MP15IGR17852025 100143784, दिनांक 10.03.2025 से मेरे पक्षकार पार्वतीबाई पति मनोहर, निवासी ग्राम सुरी, तहसील व जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मन्दसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:?

पूर्व में- रास्ता, पश्चिम में-पीरू भील का मकान, उत्तर में-शंभुलाल का मकान, दक्षिण में-शांतिबाई का मकान, पैमाईश रकबा 65 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋ ण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in